

आजाद सिपाही



वादा से ज्यादा
आपके लिए करेंगे,
125 नहीं अब

200
यूनिट बिजली मुफ्त देंगे

जे.बी.वी.एन.एल से
द्वाट्सएप नंबर पर जुड़ें
9431135503

**बिजली की बचत करें,
झारखण्ड को उन्नत करें**

मुख्य बिन्दु

⚡ आर्थिक रूप से कमजोर घटेलू उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ मिलेगा।

⚡ 200 यूनिट प्रति माह मुफ्त बिजली योजना के तहत सभी तरह के शुल्क यथा Energy Charge, Fixed Charge, Electric Duty, FPPPA Charge आदि की छूट 200 यूनिट तक मासिक रूप से करने वाले घटेलू उपभोक्ताओं को प्रदान की जाएगी।

⚡ यह योजना जुलाई 2024 के बिलिंग माह से लागू किया जाएगा।

⚡ इस योजना के तहत कुल 45.77 लाख उपभोक्ताओं में से लगभग 41.44 लाख घटेलू उपभोक्ता आचारित होंगे।

⚡ 200 यूनिट प्रति माह मुफ्त बिजली योजना हेतु झारखण्ड सरकार प्रतिमाह लगभग ₹350 करोड़ सब्सिडी के रूप में झारखण्ड बिजली वितरण निगम लिमिटेड को उपलब्ध करायेगी।



झारखंड पुलिस की वर्दी पर फिर अपने साथी के खून के छींटे

- रामगढ़ में एएसआइ की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने उठाये कई सवाल
- पलामू और तोपचांची थाना में हुई आत्महत्या की घटनाओं की याद हुई ताजा
- पिछले एक दशक में झारखंड में दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी दे चुके हैं जान

झारखण्ड पुलिस की वर्दी एक बार फिर दागदार हुई है। इस बार रामगढ़ में तैनात एक एएसआइ राहुल कुमार सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने झारखण्ड पुलिस को सवालों के घेरे में लाकर खड़ा कर दिया है। इससे पूर्व करीब ढाई साल पहले जनवरी, 2022 में पलामू जिले में तैनात एक इंस्पेक्टर लालजी यादव ने निलंबन के चार दिन बाद ही थाना परिसर में फांसी के फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली थी। उनसे पहले लगभग इसी तरह की परिस्थिति में 2016 के जून महीने में धनबाद के तोपचांची थाना के तत्कालीन प्रभारी उमेश कच्छप ने थाना

परिसर में ही फांसी लगा
कर आत्महत्या कर ली
थी। वह भी कुछ दिन पहले
अपने थाना क्षेत्र में हुई
एक फायरिंग मामले को
लेकर तनाव में थे। इन
तीनों घटनाओं में वक्त का फासला भले ही आठ साल का है,
लेकिन परिस्थितियां लगभग एक जैसी हैं और सभी घटनाओं ने
सवाल भी एक जैसे ही छोड़े हैं। राहुल कुमार सिंह के परिजनों

आजाद सिपा

की मानें, तो थाना प्रभारी और दूसरे उच्चाधिकारियों द्वारा की जा रही मानसिक प्रताड़ना से वह बेहद परेशान थे और इसी रण उनकी मौत हुई, जबकि लालजी यादव के परिजनों ने भी उसी तरह के आरोप लगाये थे। इसी तरह उमेश कच्छप के जनों ने भी अधिकारियों पर कई गंभीर आरोप लगाये थे। इन

तीनों घटनाओं में एक बात समान है कि किसी भी आरोप की जांच तक नहीं हुई। इस तरह अपने ही अधिकारियों की असमय मौत ने झारखड़ पुलिस की वर्दी को एक बार फिर दागदार बना दिया है, हालांकि बीच में पुलिसकर्मियों और कनीय अधिकारियों द्वारा आत्महत्या की कई घटनाएं हुई हैं। रामगढ़ की घटना की पृष्ठभूमि में यह जानना जरूरी है कि आखिर कनीय पुलिस अधिकारी इतने तनावग्रस्त क्यों हैं और क्या है झारखड़ पुलिस के अफसरों की कार्यशैली। इन सवालों का जवाब दे रहे हैं आजाद रिपार्टी के विशेष संगाददाता राकेश सिंह।



राकथा सह

रामगढ़ पुलिस के एएसआइ राहुल कुमार सिंह की 21 जुलाई को संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गयी। वह यातायात थाना रामगढ़ में पदस्थापित थे और रामगढ़-बरकाकाना मार्ग पर बंजारी मदिर चेक पोस्ट पर तैनात थे। शाम को उन्हें अचानक उल्टी हुई और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गये। उन्हें सदर अस्पताल रामगढ़ ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। बाद में उनके शव का रिम्स में पोस्टमार्टम किया गया, जिसमें कहा गया है कि उनकी मौत जहर के कारण हुई। इसके बाद उनकी मौत के कारणों को लेकर कई सवाल उठाये जा रहे हैं। मृत एएसआइ के परिजनों का आरोप है कि इसके पीछे एसपी डॉ विमल कुमार और रामगढ़ थाना प्रभारी

विभाग के कुछ अधिकारियों ने इतना प्रताड़ित किया कि वह तनाव में आ गये और आत्महत्या कर ली।

पलामू की घटना से पहले 17 जून, 2016 को धनबाद जिले के तोपचांची थाना के तत्कालीन प्रभारी उमेश कच्छप ने भी आत्महत्या कर ली थी। उमेश कच्छप अपने थाना क्षेत्र में कुछ दिन पहले हुई फायरिंग की एक घटना के बाद से तनाव में थे। उस घटना में वह खुद शामिल नहीं थे, लेकिन कुछ आइपीएस उन पर मनमाफिक रिपोर्ट बनाने के लिए दबाव डाल रहे थे। कहा जाता है कि फायरिंग की वह घटना जीटी रोड पर अवैध वसूली के क्रम में हुई थी, जिसमें एक डीएसपी ने एक ट्रक ड्राइवर को गोली मार दी थी। उमेश कच्छप पर डीएसपी को बचाने के लिए दबाव डाला जा रहा था, जिसके कारण वह बेहद तनाव में थे।

उठ रहे हैं कई सवाल

इन तीनों घटनाओं में बहुत कुछ एक जैसा है और राहुल कुमार सिंह की रहस्यमय मौत ने लगभग वही सवाल खड़े किये हैं, जो लालजी यादव और उमेश कच्छप की मौत ने उठाये थे। आखिर ईमानदार और तेज-तरार छावि के कनीय पुलिस

धिकारियों पर इतना तनाव हावी हो जाता है। क्या पुलिस कमे में कुछ अधिकारी बाकई हैं, जो अपनी चमड़ी बचाने लिए किसी भी हद तक गिर नहीं हैं।

मानव मनोविज्ञान कहता है कि इंसान अपनी जान तभी लेता जब उसे यह विश्वास हो जाता कि उसके सामने के सारे फल्प खत्म हो गये हैं। ऐसा क्षेत्र किसी एक कारण या घटना प्रभावित नहीं होता, बल्कि यह केत्रिय तात्कालिक कारण हो जाता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि प्रतिष्ठा या इज्जत पर आंच देख भी कई लोग इतने धूक तनावग्रस्त हो जाते हैं कि वे आत्महत्या कर लेते हैं या फिर उनकी जान चली जाती है। राहुल कुमार सिंह, लालजी यादव और उमेश कच्छप की मौत के पीछे यही प्रत्यक्ष कारण नजर आता है।

किसी भी मामले की जांच का नतीजा सामने नहीं आया

यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर राहुल कुमार सिंह, लालजी यादव और उमेश कच्छप इतने तनावग्रस्त क्यों थे। उनकी मौत की असली वजह क्या थी। विडंबना यह है कि इन सभी मामलों की जांच का नतीजा कभी सामने नहीं आया। न ही परिजनों के आरोपों के बारे में कभी कोई आधिकारिक बयान आया और न ही मामले की जांच रिपोर्ट पर कोई

अस्वस्थ होने की प्रवृत्ति बढ़ी है। पुलिसकर्मियों पर मानसिक और परिवारिक तनाव इस कदर हावी है कि वे न तो अपनी अस्वस्थता पर ध्यान दे पाते हैं और न ही अपनी जान लेने से पीछे हट रहे हैं। इसकी मुख्य वजह प्रशासनिक दबाव, परिवारिक विवाद, मानसिक तनाव और प्रेम प्रसंग को माना जा सकता है, क्योंकि कई ऐसे मामले भी सापड़ने आये हैं, जिनमें काम के दबाव और प्रेम में असफल होने के कारण भी पुलिसकर्मियों ने आत्महत्या की है।

इसका मतलब यह है कि पुलिस की कार्यशैली में ही कुछ कमी है, जिसके कारण पुलिसकर्मी तनाव में आ जाते हैं। राज्य पुलिस में चार साल पहले 2020 में एक सम्मान अधियान मौत के बाद झारखंड पुलिस के निचले स्तर के अधिकारियों में यह प्रवृत्ति खत्म नहीं होगी। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सबसे पहले पुलिस को खुद को बदलना होगा। अपने ही वरीय अधिकारियों द्वारा अनावश्यक दबाव बनाने और राजनीतिक-प्रशासनिक टूटिकोण से कार्रवाई करने की प्रवृत्ति पर तत्काल सख्ती से रोक लगानी होगी। अधिकारियों को समझना होगा कि ऊपर से लेकर नीचे तक के खाकी वर्दी वाले एक टीम के सदस्य हैं और किसी के रैंक से उसकी काबिलियत नहीं आंकी जा सकती। जब तक ऐसा नहीं होगा, रामगढ़ जैसी वारदात होती रहेगी और झारखंड पुलिस की वर्दी पर अपने ही साथियों के खून के छीट पड़ते रहेंगे।

आजाद सिपाही विशेष |

नीट पेपर लीक मामले की जांच करने फिर हजारीबाग पहुंची सीबीआइ टीम

सांसद दीपक प्रकाश ने राज्यसभा में उठाया मामला
पुरुष को बना दिया माँ, एक
महिला का 12 प्रसव कराया

गलतफहमी पाल कर कितने दिन
सीएम बंद रखेंगे आंखें: बाबूलाल

A composite image. The main image on the left shows a man with dark hair and a light beard, wearing a light blue polo shirt, looking towards a white metal security gate. The inset image on the right shows a group of about ten people, including men in uniform, gathered around a white van parked in a narrow street lined with buildings.

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि गलतफहमी पाल कर कितने दिन आंखें बंद रखेंगे। उठिये, जागिये महाराज, देखिये आपके पीछे अब कोई नहीं बचा है। थोड़ी सी भी मर्यादा और दम्पनियत बच्ची हो, तो नामजंद

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। नीट पेपर लोक मामले की जांच को लेकर सीबीआइ की टीम एक बार फिर से गुरुवार को झारखंड के हजारीबाग पहुंची। तीन वाहनों से पहुंची सीबीआइ की टीम ने ओणिस्स स्कूल और स्टेट गेस्ट हाउस को खंगाला। टीम सबसे पहले दो सदियों को लेकर गेस्ट हाउस से निकली। कुछ देर के बाद तीसरे सदियों को भी यहां से ले जाया गया। इस दौरान सीबीआइ को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भी हाथ लगे हैं। सीबीआइ टीम कुछ दिन पहले भी जांच के लिए स्टेट गेस्ट हाउस पहुंची थी और जांच के बाद उसे सील कर दिया था। गुरुवार को सील खोलकर सीबीआइ टीम गेस्ट हाउस में दाखिल हुई। जांच के दौरान टीम के करीब 12 सदस्य मौजूद थे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से पटना से भी टीम के साथ पुलिस आयी थी। इस दौरान सीबीआइ अपने साथ तीन सदियों को लेकर आयी थी। सुत्रों ने बताया कि इसमें एक मुख्य आरोपित पंकज है, दूसरा गेस्ट हाउस का मालिक राजू है। तीसरा व्यक्ति प्रश्न पत्र का सॉल्वर है। करीब तीन घंटे तक सीबीआइ गेस्टहाउस को खंगालती रही। इस दौरान फॉरेंसिक टीम भी उनके साथ थी।
जांच के बाद गेस्ट हाउस फिर सील : जांच के बाद सीबीआइ ने गेस्ट हाउस को फिर से सील कर दिया है। सील किये गये दस्तावेजों पर बीपी राजू, अपर अधीक्षक

डिक्टॉर गये 50 लाख रुपये, हो सीबीआई जांचः दीपक प्रकाश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान झारखण्ड में जननी सुरक्षा योजना में किये गये घोटाला से संबंधित सवाल पूछे। श्री प्रकाश ने कहा कि एक ऐसे राज्य से आता हूं, जो खनिज पदार्थों से आच्छादित है। खनिज पदार्थों के मामले में राज्य बहुत अमीर है, परंतु निवासी गरीब हैं। झारखण्ड में जब-जब कांग्रेस के सहयोग से सरकार बनती है, तब-तब झारखण्ड अजीबोगरीब किस्म की कारनामे करता है। कांग्रेस और झामुमो की सरकार ने झारखण्ड के खनिज पदार्थ बालू, कोयला, पत्थर सहित अन्य खनिज पदार्थों को दोनों हाथों से खुल कर लूटा है। इस बार इंडी गठबंधन की सरकार ने विज्ञान को भी धत्ता बता कर सरकार के संरक्षण में पुरुषों को भी प्रसव कराया है और मां बनाया है।

कोडरमा जिला के सतगावां प्रखंड के स्वास्थ्य विभाग ने कर दिखाया है। कोडरमा के स्वास्थ्य विभाग ने हैरतअंगेज कारनामा करते हुए एक ही दिन में एक महिला का आठ से 12 प्रसव दिखाया और 50 लाख रुपये से ज्यादा राशि निकाल ली। ताजबूत तो इस बात की है कि पुरुषों को भी मां बना दिया गया है। उनके नाम पर भी संस्थागत प्रसव दिखा कर पैसे निकाले गये हैं। झारखण्ड में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए जननी सुरक्षा योजना के तहत सरकार महिलाओं को 1400 रुपये की प्रोत्साहन राशि देती है। कोडरमा के सतगावां सरकारी अस्पताल में प्रसव के बाद मिलनेवाला 1400 रुपये पुरुषों और महिलाओं के खाते में डाल दिया गया। एक ही वित्तीय वर्ष 2023-24 में 50 लाख रुपये की हेराफेरी की गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से कहा चाहता हूं कि इस केस की जांच सीबीआई से करायी जाये, ताकि इस बड़े घोटाले को सामने लाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि गलतफहमी पाल कर कितने दिन आंखें बंद रखेंगे। उठिये, जागिये महाराज, देखिये आपके पीछे अब कोई नहीं बचा है। थोड़ी सी भी मर्यादा और इंसानियत बची हो, तो नामजद सहायक पुलिसकर्मियों का नाम एफआइआर से वापस लें। चाहे आप अपनी हड्डियों का बचा पूरा दम भी क्यों न लगा लें। अधिकारों के मिलने तक, मांगों के पूरा होने तक यह संघर्ष अनवरत चलता रहेगा, यह बिगुल हरदम बजता रहेगा।

बाबूलाल मरांडी गुरुवार को एक्स पर लिखा कि हेमंत सोरेन जी, आपने तो जमानत पर जेल से छूटने के बाद चंपाई सोरेन की घोषित 40 हजार नौकरियों में 25 प्रतिशत कटौती कर के 30 हजार नौकरियां देने की बात कही, लेकिन अब तो प्रतिदिन दनादन परीक्षाएं स्थगित की जा रही हैं। इस आपाधारी की बजह बया है।

पांच जिलों के आंदोलनकारियों को मिलेगी बकाया पेंशन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखण्ड अलग राज्य के गठन के लिए आंदोलन करनेवाले आंदोलनकारियों को बकाया पेंशन का भुगतान किया जायेगा। यह बकाया पेंशन रांची, जामताड़ा, लातेहार, चतरा और गढ़वा जिले के को मिलेगा। इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने गुरुवार को तीस लाख की राशि आवंटित की है। इसको लेकर गृह सचिव ने आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि संबंधित जिले के दीरी स्थान के से पूर्व सुनिश्चित करेंगे

सता में बैठ गये, लेकिन स्वार्थपट्टी बंधी है

बाबूलाल मरांडी ने लिखा कि जहां पहल अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ता है, फिर लाठी खानी पड़ती है और अंत में मुख्यमंत्री के आदेश पर झूठी एफआइआर भी लिखी जाती है। वैसे तो मुख्यमंत्री के लिए उनकी आलोचना परे आदिवासी समाज की आलोचना करने के बराबर है, परंतु जब बात खुद सत्ता में बैठ कर आदेश देने की आती है। लोगों पर एफआइआर करने की आती है, तो महादय को आदिवासी समाज नहीं दिखता है। उन्होंने लिखा कि नामित नामों को देखें, तो 18 में से लगभग 11 से 12 नाम आदिवासी भाई-बहनों के हैं और अभी 1500 अन्नात लोगों में से न जाने और कितने आदिवासी भाई-बहनों के नाम सामने आने वाकी हैं। आदिवासी समाज का आवरण ओढ़ कर झूठ फरेब की राजनीति करके मुख्यमंत्री सत्ता में तो बैठ गये हैं, लेकिन आज भी उनकी आंखों में स्वार्थसंपी पट्टी बंधी है, वो आज भी आदिवासी समाज के लोगों को सिर्फ अपना बोट बैंक समझते हैं। उन्हें यह भ्रम है कि आदिवासी समाज पर वह चाहे कितने भी जुलम करें, कितना भी अत्याचार करें, आदिवासी समाज उनके साथ खड़ा है।

**सत्ता में बैठ गये, लेकिन
स्वार्थपटी बंधी है**

बाबूलाल मराडी ने लिखा कि जहाँ पहले अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ता है, फिर लाठी खानी पड़ती है और अत में मुख्यमंत्री के आदेश पर झट्टी एफआइआर भी लिखी जाती है। वैसे तो मुख्यमंत्री के लिए उनकी आलोचना करना पूरे आदिवासी समाज की आलोचना करने के बाबत है, परंतु जब बात खुद सत्ता में बैठ कर आदेश देने की आती है। लोगों पर एफआइआर कराने की आती है, तो महोदय को आदिवासी समाज नहीं दिखता है। उन्होंने लिखा कि नामित नामों को देखें, तो 18 में से लगभग 11 से 12 नाम आदिवासी भाई-बहनों के हैं और अभी 1500 अज्ञात लोगों में से व जाने और कितने आदिवासी भाई-बहनों के नाम सामने आने वाकी हैं। आदिवासी समाज का आवरण ओढ़ कर झट्ट फेरें की राजनीति करके मुख्यमंत्री सत्ता में तो बैठ गये हैं, लैंकिन आज भी उनकी आंखों में स्वार्थरूपी पट्टी बंधी है, वो आज भी आदिवासी समाज के लोगों को सिर्फ अपना गोट बैंक समझते हैं। उन्हें यह भ्रम है कि आदिवासी समाज पर वह चाहे कितने भी जुल्म करें, कितना भी अत्याचार करें, आदिवासी समाज

उनके साथ खड़ा है। **लेगी बकाया पेंशन**

रांची

शुक्रवार, वर्ष 09, अंक 276

आजाद सिपाही



हाइकोर्ट ने राज्य और केंद्र से पूछा

आदिवासियों का

धर्मात्मतान किन-किन

जिलों में हो रहा है

संची (आजाद सिपाही)। झारखण्ड

में आदिवासियों के धर्मात्मतान को

रोकने को लेकर दाखिल सोमा

उरांव की जनवित याचिका की

सुनवाई हाइकोर्ट में हुई। सामने

में कोर्ट ने राज्य और केंद्र सरकार

से पूछा है कि झारखण्ड के किन-

किन जिलों में ड्राइवल सं

धर्मात्मतान की जांच है और

किनमें को धर्मात्मतिकिया गया

है। साथ ही इन्हें रोकने के लिए

क्या-क्या करवायी जा रही है।

कोर्ट ने इन संबंध में कोर्ट और

राज्य सरकार को स्टेटस रिपोर्ट

दाखिल करने का निर्देश दिया है।

मामले की अगली सुनवाई 27

अगस्त निर्धारित की गयी है।

सुनवाई के दौरान प्राप्ती के

अधिकारी की ओर से कोर्ट को

बताया गया कि झारखण्ड में

धूलिल से ट्रायबल्ट्स लागे का

दूसरे धर्म में धर्मात्मतान हो रहा है।

ट्रायबल्ट्स के धर्मात्मतान क्यों हो

रहा है, उसे लिए एक जांच

कमीटी का गठन सरकार द्वारा

किया जाना चाहिए। उसकी ओर

से कोर्ट को बताया गया कि

सुप्रीम कोर्ट में भी धर्मात्मतान से

संबंधित मामले में जनवित

याचिका पर सुनवाई चल रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी इस विषय को

गभीरता से लेते हुए देश की

राज्य सरकारों और केंद्र सरकार

से जवाब मांगा है।

खनिजों की रॉयल्टी वसूलने के मामले में आया फैसला

राज्यों को रॉयल्टी लेने का हक : सुप्रीम कोर्ट

- नौ जिलों की संविधान पीठ ने मामले पर की सुनवाई
- 8:1 के बहुमत से फैसला सुनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

नवी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार को झक्का देते हुए कहा है कि राज्यों के पास संविधान के तहत खदानों और खनिज बाली भूमि पर रॉयल्टी वसूलने का विधायी (कानूनी) अधिकार है। नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 8:1 के बहुमत से फैसला सुनाया कि खनिजों के बदले दी जानिवाली रॉयल्टी कर नहीं है।



संविधान पीठ में नौ जज थे

संविधान पीठ प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के साथ अन्य सदस्यों में न्यायाधीश अधिकारी एस ओका, न्यायाधीश जैवी पारदीवाला, न्यायाधीश मनोज मिश्रा, न्यायाधीश उज्जल भुज्यां, न्यायाधीश तीरथ शर्मा और न्यायाधीश जार्ज मसेह एवं न्यायाधीश नागरता शमिल थे। इनमें से जिसिस बीवी नागरता पढ़ते हुए कहा कि संसद के पास संविधान की सूची दो दो प्रविष्टि 50 के तहत खनिज अधिकारों पर कर लाने का संबंधित है।

झारखण्ड समेत कई राज्यों को फैयदा

शीर्ष अदालत के इस फैसले से खनिजों के मामले में समृद्ध औदिशा, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों को बड़ा फैयदा होगा। अब इस मामले में बूद्धपर्व को प्रस्तुत करने वाली जिसमें अदालत यह विवाद करीजी कि इस फैसले को बीते दिनों से लागू किया जाये या फैसले के बाद से जारी किया जाये।

दरअसल, अलग-अलग राज्य सरकारों और खनन कंपनियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में 8:1 वाचिकाएं पहुंची थीं। कोर्ट को तक करना था कि खनिजों पर रॉयल्टी और खदानों पर टैक्स लगाने का अधिकार राज्य सरकार को होना चाहिए या नहीं। सुप्रीम कोर्ट में आठ दिन तक चली सुनवाई में कोर्ट ने कहा कि राज्यों को यह अधिकार नहीं होना चाहिए। अदालत ने 14 मार्च को फैसला सुनिश्चित रख लिया था।

राष्ट्रपति भवन के दरबार और अशोक हॉल के अशोक मंडप के नाम बदला

नवी दिल्ली (आजाद सिपाही)। राष्ट्रपति द्वारा मुर्दू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन के दो हॉल का नाम बदलने का एलान किया है। अब से दरबार हॉल को जगन्नाथ मंडप और अशोक हॉल का अशोक मंडप के नाम से जाना जायेगा। राष्ट्रपति संचालन योग्य की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि राष्ट्रपति भवन के परिवेश में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और प्रकृति झलक दिखायी दे, इसलिए दोनों हॉल के नाम बदले गये हैं।

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN SAAT-2024

Empowering students for a brighter future

M.Tech in Power System & Power Electronics

APPROVAL & RECOGNITIONS

- Approved by UGC & AICTE
- Re-accredited by NAAC with A++ Grade
- Granted with Category-1 Graded Autonomy by UGC
- NBA Accredited Programmes

NIRF INDIA RANKINGS 2023

15th Best in University Category

27th Best in Engineering Category

INTERNATIONAL RANKINGS 2024

Ranked in QS World Rankings 2024

Ranked in Times World Rankings 2024

A monthly stipend will be provided to M.Tech students for a maximum period of two years

To apply for admission through SAAT, Please visit: www.soa.ac.in



हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री, झारखण्ड

समस्त झारखण्डवासियों के 75वां वन महोत्सव, 2024 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

वृक्ष प्रकृति के उपहार की तरह हैं, जो पृथक पर जीवन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे पर्यावरण को संतुलित और स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। पूरे विश्व में तापमान को नियंत्रित करने और बायोटा के लिए मौसम की स्थिति बनाने में तुम्हारी की बड़ी भूमिका है। वृक्ष कार्बन डाइऑक्साइड लेकर और ऑक्सीजन छोड़ कर हवा को भी साफ करते हैं, जो सभी जीव जंतुओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, वृक्ष हमें लकड़ी, भीजन, ईंधन, कागज और बहुत कुछ प्रदान करते हैं, जिससे हम दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाते हैं।

हमारी सरकार राज्य के जल, जंगल और जमीन को समृद्ध करने के लिए कृत संकल्पित है और अपने पूर्तजों के धरोहर को संरक्षित कर उसमें और बढ़ावी करने के लिए हमेशा से प्रयासरत रही है।

आप सभी इस बात से अवगत हैं कि पूरे विश्व में ग्लोबल वार्मिंग और जलवाया परिवर्तन का संकट मंडरा रहा है। यह मानव समाज के लिए ठीक नहीं है और हम सबको मिलकर इसे सही करने का प्रयास करना होगा। इस कार्डी में हम सब वन महोत्सव में पौधा लगाने का संकल्प लें, ताकि जलवाया का तापमान नियंत्रित रह सके, जल संकट से उबर सके, हवा में प्रदूषण को कम किया जा सके, और जली-नालों सालों भर बहते रहें।

अब, हमारे लिए अपने कार्यों की जिम्मेदारी लेना महत्वपूर्ण है। हमें पृथकी की उसी तरह देखभाल करनी चाहिए जैसे वह हमारी देखभाल करती रही है। वन महोत्सव के जरिये सभी झारखण्डवासियों से अपील है कि आप पौधे लगाएं, उनको बचाएं और उसे बढ़ावा दें।

जोहार!

वन, पर्यावरण एवं जलवाया परिवर्तन विभाग, झारखण्ड सरकार

FLORENCE GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of Haji Abdur Razzaque Educational Society)

ADMISSION OPEN FOR 2024-25

ANM | GNM

Auxiliary Nurse and Midwife

General Nursing and Midwifery

Our Facilities

- PLACEMENT ASSISTANCE
- SCHOLARSHIP
- SEPARATE HOSTEL FOR BOYS & GIRLS
- MESS
- TRANSPORT
- FEES INSTALLMENT FACILITY
- SMART CLASSROOM
- ADVANCE LAB & LIBRARY

Indian Nursing Council (INC) Approved

Enroll Now

9031231082, 6205145470, 9334645053

Irba, Ranchi-835219(Jh) www.florenceinstriba.com lsnirba@gmail.com

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट का क्लीन चिट नहीं

इस साल की नीति-युजी परीक्षाओं पर मंगलवार को आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला पहली नजर में राहत देने वाला है। फैसले ने इन परीक्षाओं को लेकर पिछले कुछ समय से बनी अनिश्चितताओं को दूर किया है। हालांकि, इस प्रकरण से सामने आये कई बड़े सवालों के जवाब मिलने अभी बाकी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान दो बातें पहले ही साफ कर दी थीं। एक तो यह कि परीक्षाएं दोबारा करवाने का फैसला आधिकारी विकल्प होगा। दूसरी बात यह कि अगर उसे ऐसा लागा कि परीक्षा की शुचिता प्रभावित हुई है, तो वह इसे कैसल करने से नहीं हिचकेगा। उसके फैसले में इन दोनों ही कारों का प्रभाव दिखता है। सुनवाई के दौरान सामने आये तथ्यों ने स्पष्ट कर दिया कि परीक्षा में गड़बड़ी हुई है, लेकिन कोर्ट को इस बात में भी कोई सदैरी नहीं कि जितने तथ्य सामने आये हैं, उनके आधार पर इन गड़बड़ियों को व्यवस्थागत नाकामी का परिणाम नहीं कहा जा सकता। ऐसे में परीक्षा कैसल करने के सत्र वाधित करना और इस प्रकार व्यवधारण में डॉक्टरों की उल्लंघन प्रभावित होने देना कोर्ट ने ठीक ही तर्कसंगत नहीं माना।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान दो बातें पहले ही साफ कर दी थीं। एक तो यह कि परीक्षाएं दोबारा करवाने का फैसला आधिकारी विकल्प होगा। दूसरी बात यह कि अगर उसे ऐसा लागा कि परीक्षा की शुचिता प्रभावित हुई है, तो वह इसे कैसल करने से नहीं हिचकेगा। उसके फैसले में इन दोनों ही कारों का प्रभाव दिखता है।

सामने आयी गड़बड़ियों पर एजेंसी के रख वी, इस पूरे मामले ने सदैरी का ऐसा माहौल बनाया है, जिसकी अनेक नीत युजी तक सीमित नहीं है। एनटीए द्वारा संचालित अन्य परीक्षाओं में भी गड़बड़ी और बद्दलतजामी की शिकायतें आयी रही हैं। संसद में भी यह मसला उठाया गया है। साफ है कि इस पूरे मामले का सिर्फ एक पहलू ही सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा था। ऐसे में दो बातें खास तौर पर व्याख्या देने लायक हैं। एक तो यह कि नीत-युजी के प्रेपरलॉक मामले की जाच अपर्जनी करते हुए डबल-डैकर बस को फूंक दिया, निजी-सार्वजनिक संपत्ति पर पथर बरसाए और पुलिस अधिकारियों पर हमला बोलकर उनके बाहर नहीं को पलट दिया।

इस संबंध में सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हैं। हेयरहिल्स की आवादी करीब 31 हजार है, जिसमें 42 प्रतिशत हिस्सेदारी मुसलमानों की है, तो ईसाई जनसंख्या 37 प्रतिशत है। दरअसल, लोइस दंगा अपने भीतर 2 समस्याओं को समेटे हुए है। इसमें पहला संकट पश्चिमी और पूर्वी

अभिमत आजाद सिपाही

लासर स्ट्रीट में बाल कल्याण संस्था के कर्मचारियों द्वारा बच्चों को उनके परिवार से अलग करने और जबरन घाइल केराये होने में रुक्नों के बाद उपद्रव शुरू हुआ था। परिवार के 4 बच्चों में से एक नीती शुरू की गयी थी। जिसके लिए उनके बच्चों को उनके परिवार से अलग करने और जबरन चाइल्ड केराये होने में रुक्नों के बाद उपद्रव शुरू हुआ था। परिवार के 4 बच्चों में से एक की पिटाई का वीडियो किसी पड़ोसी ने शहर की बाल कल्याण संस्था के कर्मचारियों द्वारा बच्चों को उनके परिवार से अलग करने और जबरन चाइल्ड केराये होने के बाद उपद्रव शुरू हुआ था।

ब्रिटेन में लीड्स क्यों सुलग उठा

बलबीर पुंज

बीते दिनों ब्रिटेन के लीड्स स्थित हेयरहिल्स उपनगर में जो कुछ हुआ, वह क्यों हुआ और उससे हम क्या सबक सीख सकते हैं? इसके 2 पहलू हैं, जिस पर विस्तृत चर्चा करने से पहले यह जानना जरूरी है कि 15 जुलाई को द्वेरा हेल्स क्यों सुलग उठा? इस क्षेत्र की लाक्सर स्ट्रीट में बाल कल्याण संस्था के कर्मचारियों द्वारा बच्चों को उनके परिवार से अलग करने और जबरन चाइल्ड केराये होने के बाद उपद्रव शुरू हुआ था। परिवार के 4 बच्चों में से एक की पिटाई का वीडियो किसी पड़ोसी ने शहर की बाल कल्याण संस्था के खानाबदेश रोमा (जिस्पी) समुदाय से जुड़ा था, जिनके लोगों ने पहले ज़गड़ा शुरू किया। परंतु बाद में पुलिस पर अपना गुस्सा निकालने के लिए पाकिस्तानी-बंगलादेशी मूल के मुसलमान भी इसमें कूप पड़े और देखते ही देखते क्षेत्र की अराजकता फैल गयी। द्वारा द्वारा एजेंसी के नीत-युजी ने जगह-जगह अगजनी करते हुए डबल-डैकर बस को फूंक दिया, निजी-



लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स घटनाक्रम से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स्कॉडन, फ्रांस, जर्मनी आदि यूरोपीय देश भी हालिया वर्षों में इसी प्रकार के मजहबी दंगों का शिकायत हो रहा है।

लीड्स हजारीन से 2 साल पहले ब्रिटेन के लेस्ट-बमिंगम में भी हिंदुओं को विनिहत करके उनके घर-गढ़ियों पर योजनाबद्ध हमला हुआ था। स

गढ़वा के विकास
के लिए सदैव तत्पर
हूं: गिरिनाथ सिंह



गढ़वा (आजाद सिपाही)। पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह का परिवर्तन यात्रा प्रारंभ है। इस दौरान उड़ोने का कि निश्चित तौर पर पूरा गढ़वा जल, जंगल और जमीन जैसे अविवार्य मुद्दे पर अपनी समस्याओं के समाधान न होने पर आंख बहा रहा है। सरकार द्वारा लागू की गयी सभी योजनाएं अधिकारियों के भूत रूप से आम जनमानस तक नहीं पहुंच पा रही है। और जो क्षमता लागू है, उन्हें योजना का एक बड़ा भाग घृण के रूप में देना पड़ रहा है। अभी हाल ही में डारखंड सरकार द्वारा लागू की गयी अबुआ आवास योजना में लगभग 30000 प्रत्येक आवास के लाभुमान से बेंचक रूप से लिया जा रहा है। ऐसे बहुत सारे मुद्दे हैं जिन पर जनप्रतिनिधि का मौन होना सारे मुद्दों में संलिप्ता को दर्शाता है। उड़ोने का कि उम्मीद जनता आगमी विधानसभा चुनाव में सही जनप्रतिनिधि का चयन कर अपने समस्याओं से निजात पायेगी।

कारगिल विजय दिवस मनाया जायेगा आज

गढ़वा (आजाद सिपाही)। कारगिल विजय दिवस को लेकर भाजप्युमा जिलावध्यक्ष रिटेंश चौधे ने कहा कि 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस पर कारगिल युद्ध में शमिल जवानों को सम्मानित किया जायेगा। उड़ोने कहा कि राष्ट्र सेवा में समर्पित जवान देश के सच्चे सपूत हैं। जिसने मां भारती के रक्षा के लिए युद्ध को युद्ध के आग में झोंक दिया, वैसे वीर सपूत हमारे लिए सदैव सम्मानित हैं।

विधायक भानु ने पुल निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

मंगलवाहन नदी पर पुलिया निर्माण हो जाने से यहाँ के लोगों को काफी सुविधा होगी: भानु प्रताप शर्मी

आजाद सिपाही संचादाता

डंडिंड। प्रखंड के लोगों ने खेत्रीय विधायक भानु प्रताप शर्मी ने गुरुवार को 73 लाख रुपये की लागत से पुलिया निर्माण का कार्यक्रम को छोड़कर शिलान्यास किया। इसके पुरुष कार्यकर्ताओं ने विधायक का गर्मजोशी के साथ शानदार स्वागत किया। शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भानु प्रताप शर्मी ने कहा कि लोगों को काफी सुविधा होगी।



कहा कि मेरे प्रयास से लोगों की पुलिया का निर्माण नहीं होने से क्षेत्र के लोगों को खेत खलिहान कालजे आने जाने में अवृत्ति देवी, विधायक प्रतिनिधि दिनेश राम, भाजपा नेता राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, भाजपा मंडल महामंत्री पिथिलेश प्रसाद, मंडल उपाध्यक्ष अधोक प्रसाद, एसपी मोर्चा के प्रमुख प्रतिनिधि घूर्खेगां बैठा, मुख्यमान विधायक भानु प्रताप शर्मी ने कहा कि लोगों ने विधायक का गर्मजोशी के साथ जाल बिछाया जा रहा है। इसे बहुत सारे मुद्दे हैं जिन पर जनप्रतिनिधि का मौन होना सारे मुद्दों में संलिप्ता को दर्शाता है। उड़ोने का कि उम्मीद जनता आगमी विधानसभा चुनाव में सही जनप्रतिनिधि का चयन कर अपने समस्याओं से निजात पायेगी।

अध्यक्षा अनीता गुप्ता सहित अन्य भाजपाइयों ने विधायक द्वारा किये गये कार्यों को गिनाया और कहा कि क्षेत्रीय विधायक भानु प्रताप शर्मी जब भी ढंडिंड प्रखंड में आते हैं, वहाँ के लोगों को कुछ ना कुछ सौंपा लेकर जरूर आते हैं। उनके अथक प्रयास से गांव-गांव सरकारी कालजीली पहुंच आयी। वहाँ सरकारी कालजीली पहुंच आयी। अगर खाता को बेंद कर दिया जाता है तो सारी जावदादी संबंधित निवादाता की राशि वापस होगी।

(1) केवल ई० निवादा ही स्थानीकरण की जायेगी। (2) निवादा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा ही स्थीकैर होगी। (3) निवादा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई० भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। (4) प्राकलित राशि घट-बढ़ सकती है। अग्रधन की राशि परिमाण विवर की राशि के अनुसार होगी। (5) राज्य सरकार के द्वारा निर्गत सभी अवधन आदेश/परिपत्र लागू होगे। (6) विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट - http://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला

अल्पकालीन ई० निवादा आमंत्रण सूचना

- ई० निवादा संख्या - WRD/MID/GUMLA/F- 07/2024-25 (3 Call) दिनांक - 25.07.2024
- ई० निवादा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का मोबाइल नं० : 0651-2214784 मो० 8986890345 गुमला।
 - ई० निवादा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का लिखित एवं समय :- 01.08.2024 (अपराह्न 02:00 बजे तक)
 - वेबसाईट में ई० निवादा प्रकाशन की लिखित एवं समय :- 08.08.2024 (अपराह्न 05:00 बजे तक)
 - ई० निवादा खोलने की लिखित एवं समय :- 10.08.2024 (अपराह्न 02:00 बजे)

क्र०	योजना का नाम	प्रखण्ड	प्राकलित राशि (रुपये में)	अग्रधन की राशि (रुपये में)	परिमाण का मूल्य (रुपये में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	लतरा झापाटोली नाला में चैकडेम निर्माण कार्य।	कामडारा	6893000.00	137900.00	10000.00	11 माह

- (1) केवल ई० निवादा ही स्थानीकरण की जायेगी। (2) निवादा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा ही स्थीकैर होगी। (3) निवादा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई० भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। (4) प्राकलित राशि घट-बढ़ सकती है। अग्रधन की राशि परिमाण विवर की राशि के अनुसार होगी। (5) राज्य सरकार के द्वारा निर्गत सभी अवधन आदेश/परिपत्र लागू होगे। (6) विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट - http://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

PR 330749 Minor Irrigation (24-25)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, गुमला

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण कार्य प्रमण्डल, हजारीबाग

ई० अल्पकालीन निवादा आमंत्रण सूचना

ई० निवादा सं० :-04/2024-25/RWD/EE/HAZARIBAG दिनांक :- 24.07.2024

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य प्रमण्डल, हजारीबाग द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निवादा आमंत्रित की जाती है।

1. कार्य का विवरण :-

क्र०	आईडॉनी संचयन /पैकेज संचयन	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राकलित राशि (रुपया में)	कार्य समाप्ति की अवधि
S.No				अंक में	अक्षर में
1	RWD/HAZ/STP KG/02/2024-25	वरही	झीलमौरी स्कूल से कोरमाटी तक पथ का सुदूरीकरण कार्य (ल०-२,८५० किमी)		
		वरही	खाडीहार से कोरमाटी तक पथ का सुदूरीकरण कार्य (ल०-५,१०० किमी)		
		वरही	जीलीटी सोड से पुलाया तक पथ का सुदूरीकरण कार्य (ल०-६,१०० किमी)		
		वरही	झीलमौरी स्कूल से पैदारेमा तक पथ का सुदूरीकरण कार्य (ल०-६,१५० किमी)		
		वरही	पिलिया से कालीकाना तक पथ का सुदूरीकरण कार्य (ल०-६,२०० किमी)		
		पदमा	केवला मोड से बदेवा तक पथ का सुदूरीकरण कार्य (ल०-२,७५० किमी)		

- वेबसाईट में निवादा प्रकाशन की लिखित एवं समय :- 01.08.2024 पूर्वाह्न 11.30 बजे।
- निवादा खोलने की, तिथि, एवं समय :- 12.08.2024 वेबसाईट परिवर्ती की अवधियन की अवधियन का अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, वजारीबाग।
- ई० निवादा प्रकाश का लिंक :- 06546-265286। विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

PR 330717 Rural Work Department(24-25).D

Government of Jharkhand Urban Development Department Latehar Nagar Panchayat, Latehar

e-Procurement Notice (Very Short Tenders Notice) NIT No. - UDD/LNP/09/2023-24 (4th call)

Notice No. - Date -

S.L.	Tender ID	Name of Work	Estimated Cost	Earnest Money	Tender Fee	Completion of Work

<tbl_r cells="7" ix="5

धनबाद/बोकारो/बेटमो

उठायी मांग : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले गोमिया विधायक बेरमो को जिला बनाने पर शीघ्र निर्णय लें सीएम: लंबोदर महतो

आजाद सिपाही संचादाता



मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर बेरमो (तेनुधाट मुख्यालय) अनुमंडल को जिला बनाने की मांग की है।

उठायी मुख्यमंत्री को इस बात से अवगत कराया है कि बेरमो (तेनुधाट मुख्यालय) झारखंड राज्य का सबसे समुद्र खनिज संपदाओं से परिपूर्ण व अधिकाजित बिहार में 1972 ईस्टी में बनने वाला सबसे पुराना अनुमंडल है। बेरमो को जिला बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। किंतु कार्यपाली से अब तक इसे जिला का दर्जा नहीं मिल पाया है। उठायी मुख्यमंत्री को इस बात से भी अवगत कराया कि बेरमो अनुमंडल का सुनन आज से 50 वर्ष पूर्व 6 दिसंबर 1972 को अधिकाजित बिहार के समय किया गया था। जिसकी आवादी 2011 की जनगणना के अनुसार 11,07,672 है, जो मोजूदा समय में कीरब 15 लाख है। बेरमो अनुमंडल में 14 थाना, चारों और पांच सात प्रखंड क्रमशः पेट्रोवार, कसमार, जरीडीह, बेरमो, गोमिया, नावाडीह व चंद्रपुरा हैं। यह अनुमंडल सबसे

बनकर तैयार है। जबकि कोनार डैम में पन बिजली उत्पादन करने की प्रक्रिया अभी लागत है। कह कहते हैं कि पूरे झारखंड राज्य को विद्युत के मामले में अग्रणी यह अनुमंडल है। यहाँ 5 डिग्री कार्लिंज, 09 इंटर कार्लिंज, एक जावाहर नवोदय विद्यालय, डीएवी विद्यालय के साथ स्कूल, 20 उच्च विद्यालय, सिचाई विभाग का अंचल व प्रमंडल कावालाय, वाणिज्य कर विभाग का कावालाय भी कार्यरत है, जो जिल बनाने में काफी कारगर क्षमता हो सकते हैं।

कॉल वाशरी निर्माणाधीन है। पट्टा है। बगां चार विद्युत उत्पादन केंद्र (थमल पावर स्टेशन) क्रमशः टीपीपीएस, सीटीपीएस, बीटीपीएस व कैटिव पावर प्लांट है। सीसीएल के तीन केंद्र क्रमशः कथारा, करगाली व डोरी है, जहाँ दर्जनों परियोजनाएं विद्यमान हैं। सीसीएल के दर्जनों को लियारियों से प्रतिवर्ष कारोड़ों टन कोलायता का उत्पादन होता है। जिसका लाभ सीधा राज्य सरकार व केंद्र सरकार को मिलता है। इसके अतिरिक्त सीसीएल व बीसीसीएल की चार कोल वाशरी वार्षिक गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने बिहार के लिए राज्य पर घूम भी है। तेनुधाट डैम से पन बिजली तैयार करने की परियोजना लगभग

मोहन माझी ने सरकार का पहला बजट पेश किया

मुख्यमंत्री तथा वित्त मंत्री मोहन माझी ने स्पीकर और डिटी स्पीकर से मुलाकात की और नौजूदा पूर्ण बजट पेश किया।

सरकार का पहला बजट राशि 2 लाख 65 हजार करोड़ है।

आजाद सिंहाही संवाददाता

भूवनेश्वर। मुख्यमंत्री मोहन माझी नयी सरकार का पहला बजट पेश कर रहे हैं। बजट राशि 2 लाख 65 हजार करोड़ है। 2023-24 हिसाब से वह 15 फीसदी ज्यादा बजट। कार्यक्रम का बजट 1 लाख 55 हजार करोड़ है।

राज्य के वित्त विभाग के प्रभारी मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए पूर्ण बजट पेश किया। बजट 2 लाख 55 हजार करोड़ बजट 2 लाख 55 हजार करोड़ है।



ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए विकसित ओडिशा का निर्माण जरूरी है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2 लाख 65 हजार करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की तुलना में वर्तमान बजट राशि में 15% की वृद्धि की गयी है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 33 हजार 919 करोड़ रुपये का बजट पेश किया है।

वह राशि 2023-24 के बजट से 15% अधिक है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस बजट की घोषणा की और कहा, "महाप्रभु जगन्नाथ के बिना उड़िया जाति की कल्पना करना असंभव है।" मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कृषि और कृषि क्षेत्रों के लिए बजट पेश करते हुए कहा कि 3100 रुपये प्रति विवरण पर अधिक धन खरीदा जायेगा, जो

नियोजित न्यूनतम सहायक मूल्य से 800 रुपये अधिक है। वहीं मुख्यमंत्री ने बजट में राज्य के किसानों के लिए नयी योजना 'सीएम किसान' की घोषणा की है। इसके लिए 1,935 करोड़ रुपये का खर्च आवंटित किया गया है। इसी तरह, समृद्ध किसान योजना के लिए 5,000 करोड़ रुपये और श्रीअन्न योजना गये हैं।

के लिए 649 करोड़ रुपये की घोषणा की गयी है। इसी तरह राज्य सरकार ने सुधारा योजना के लिए 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किये हैं। गोपवंशी जन अरोग्य योजना के लिए 3 हजार 56 करोड़ रुपये व्यव बजट। आयुषान भारत योजना के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं।

पोलावरम परियोजना को लेकर विधानसभा में हंगामा

भूवनेश्वर (आजाद सिंहाही)। विधानसभा के चौथे दिन प्रश्नकाल सुचारू रूप से चलने के बाद शूटकाल में विषय के हंगामा किया। सदन में विपक्षी विधायकों के भारी हंगामे के बाकरण स्पीकर ने सदन की कार्यवाही शाम 4 बजे तक ने व्यवसित कर दी है। कांग्रेस विधायकों ने पोलावरम परियोजना का मुश्त उठाकर हंगामा किया। सदन में कांग्रेस विधायकों के बेता ने पोलावरम परियोजना के लिए केंद्र सरकार प्रधान अधिकारी की दी रही मदद पर दिया जायेगा। रामबंद लड़ाक का आपेक्षा है कि इस परियोजना में अंडिशा के कई इलाके द्वारा जायेंगे। विधायक तारा बांधीपुति ने पोलावरम परियोजना पर हाउस कमेटी बनाने की मांग की है। वाचस्पति में पहले 15 मिनट और फिर शाम 4 बजे तक के लिए विधानसभा को व्यवसित कर दी।

युवा, किसान, गरीब और महिलाओं के हितो पर विशेष ध्यान : लक्षण प्रसाद सिंह

धनवार (आजाद सिंहाही)। भाजपा नेता सह पूर्व आजीजी लक्षण प्रसाद सिंह ने कहा कि बजट में युवा, गरीब और महिलाओं के हितो पर विशेष ध्यान दिया गया है। इंटर्स्ट्रक्टर में 11 लाख 11 हजार करोड़ तक बजट बढ़ाया गया है। मुद्रा लान की सीमा को 10 लाख से बढ़ा कर 20 लाख किया जाना स्वागतयोग्य है। इसी प्रकर 1 करोड़ विधायिकों के लिए 500 बड़ी बड़ी कंपनियों में इंटर्नशिप का प्रोग्राम बेहतर परियोजना देवेलोपरों को साभित होगा। मोडिकल फिल्ड में केसर की दवाओं पर टैक्स रिट्रूट्स किया जाना स्वीकृतयोग्य है। राज्य सरकारों के लिए केंद्र द्वारा 50 साल का टैक्स प्री लोन उपलब्ध कराने का ऑफर दिया गया है।



THIRD EYE CLINIC
ADVANCE PHACO LASER EYE CARE CENTRE

Contact For More Details DR. VISHAL CHOUHDARY OPHTHALMOLOGIST

Mob - 7003381944, 9431594628
NH- 33 Near Madarsa, Irba, Ranchi - 835219
Branch 2 : Sri Sai General Store, Dipatoli, Ranchi - 9

हिंदुस्तान जिंक ने एशिया का पहला लोकार्बन ग्रीन जिंक इकोजेन किया लांच

आजाद सिंहाही संवाददाता



भूवनेश्वर। देश की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपना लोकार्बन ग्रीन जिंक ब्रांड इकोजेन लांच किया। एसएंडपी ग्लोबल सीएसए के अनुसार विषय की सबसे सर्वोनेबल धातु और खनन कंपनी के रूप में मान्यता प्राप्त वह कंपनी के हंगामे की पहली जिंक उत्पादक है, जिसने दुनिया भर में अपने ग्राहकों के लिए अपनी तरह का पहला लोकार्बन ग्रीन जिंक ऑफर किया है। इकोजेन को एक प्रसिद्ध वैशिक स्थिरता परामर्श फंम द्वारा जीवन चक्र मूल्यांकन, एलसीए के माध्यम से लोकार्बन जिंक के रूप में प्रमाणित किया गया है और इसका कार्बन इंडेक्स में नंबर 1 होना, एक स्थायी भविष्य के निर्माण की हमारी प्रतिवद्धता का प्रमाण है। इकोजेन का शुरूआती 2050 तक नेट जीरो बनने की हमारी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इंसेस्जी के क्षेत्र में वैशिक मानक रखने के बावजूद, स्मार्ट और अधिक उत्पादन करते हुए कंपनी जीरो बोर्नाइज करने का लक्ष्य रखता है।

हिंदुस्तान जिंक का एसएंडपी इंडेक्स में नंबर 1 होना, एक स्थायी भविष्य के निर्माण की हमारी प्रतिवद्धता का प्रमाण है। इकोजेन का शुरूआती 2050 तक नेट जीरो बनने की हमारी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इकोजेन को एक प्रसिद्ध वैशिक स्थिरता परामर्श फंम द्वारा जीरो बोर्नाइज करने का लक्ष्य रखता है।

कंपनी ने हाल ही में घोषणा की है कि उसे अपने 450 मेगावाट विजली वितरण समझौते के तहत अपनी ग्राहकों की सेवा भी करता है जो अपने द्वारा उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल की उत्पत्ति के बारे में जागरूक हैं और अपनी आपूर्ति श्रृंखला को दीकोबोर्नाइज करने का लक्ष्य रखता है।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्यकार्यालय, स्मार्ट और अधिक निवेशक प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा कि, स्थिरता हमारे सभी व्यावसायिक निर्णयों के मूल में बनी हुई है।

उत्पाद लांच के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्यकार्यालय, स्मार्ट और अधिक अरुण मिश्र ने कहा, इकोजेन का लांच हाथापाल धार्यालन को दीकोबोर्नाइज करने की हमारी यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पथर है।

उत्पाद लांच के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्यकार्यालय, स्मार्ट और अधिक अरुण मिश्र ने कहा, इकोजेन का लांच हाथापाल धार्यालन को दीकोबोर्नाइज करने की हमारी यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पथर है।

उत्पाद लांच के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्यकार्यालय, स्मार्ट और अधिक अरुण मिश्र ने कहा, इकोजेन का लांच हाथापाल धार्यालन को दीकोबोर्नाइज करने की हमारी यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पथर है।

उत्पाद लांच के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्यकार्यालय, स्मार्ट और अधिक अरुण मिश्र ने कहा, इकोजेन का लांच हाथापाल धार्यालन को दीकोबोर्नाइज करने की हमारी यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पथर है।

उत्पाद लांच के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्यकार्यालय, स्मार्ट और अधिक अरुण मिश्र ने कहा, इकोजेन का लांच हाथापाल धार्यालन को दीकोबोर्नाइज करने की हमारी यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पथर है।

उत्पाद लांच के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्यकार्यालय, स्मार्ट और अधिक अरुण मिश्र ने कहा, इकोजेन का लांच हाथापाल धार्यालन को दीकोबोर्नाइज करने की हमारी यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पथर है।

उत्पाद लांच के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्यकार्यालय, स्मार्ट और अधिक अरुण मिश्र ने कहा, इकोजेन का लांच हाथापाल धार्यालन को दीकोबोर्नाइज करने की हमारी यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पथर है।

उत्पाद लांच के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्यकार्यालय, स्मार्ट और अधिक अरुण मिश्र ने कहा, इकोजेन का लांच हाथापाल धार्यालन को दीकोबोर्नाइज करने की हमारी यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पथर है।

उत्पाद लांच के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्यकार्यालय, स्मार्ट और अधिक अरुण मिश्र ने कहा, इकोजेन का लांच हाथापाल धार्यालन को दीकोबोर्नाइज करने की हमारी यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पथर है।

उत्पाद लांच के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्यकार्यालय, स्मार्ट और अधिक अरुण मिश्र ने कहा, इकोजेन का लांच हाथापाल धार्यालन को दीकोबोर्नाइज करने की हमारी यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पथर है।

उत्पाद लांच के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्यकार्यालय, स